आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 11 | अंकः 05 | जयपुर, रविवार 19 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

प्रधानमंत्री सुरक्षित ... पेज 2

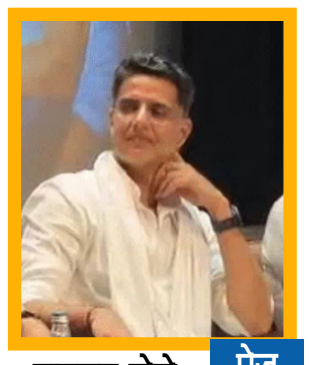

पायलट बोले सोनम... पेज 3

वांगचुक को जंतर-मंतर से पुलिस उठा ले गई पुलिस, अस्पताल में कराया भर्ती

सोनम वांगचुक का अस्पताल में दवा लेने से इनकार

अस्पताल ने बताया- पोटेशियम की कमी; वांगचुक के डॉक्टर बोले- रिपोर्ट पर भरोसा नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह पुलिस उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई। अस्पताल प्रशासन ने बुलेटिन जारी करके बताया कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने दवा लेने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया कि वांगचुक के शरीर में रासायनिक संतुलन बिगड़ गया है। पोटैशियम का लेवल घटकर 2.8 एमजी/डीएल हो गया है। यूरिन कीटोन बढ़कर 3+ हो गया। हालांकि, वांगचुक के डॉक्टर नितिन दीघे ने कहा कि वांगचुक को अस्पताल ले जाने की वजह नहीं बताई गई। उन्होंने कहा- अस्पताल में गृह मंत्रालय का अधिकारी मौजूद होने के कारण हमारी टीम को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया। वांगचुक की पत्नी का दावा है कि पोटैशियम लेवल कम है। इसकी दवा जंतर-मंतर पर भी दी जा सकती थी, अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं थी। वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। वजन भी 9.5 किलो तक कम हो चुका है।

वांगचुक के अलावा 3 स्टूडेंट भी भूख हड़ताल पर

वांगचुक के साथ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन की नेहा, आमीन और मनीष भी पिछले 21 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं। वे अभी भी अनशन पर हैं। नेहा को गंभीर हाइपोग्लाइसीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई है, जबकि आमीन और मनीष की तबीयत भी लगातार बिगड़ रही है। हाइपोग्लाइसीमिया वह स्थिति है जब खून में शुगर लेवल सामान्य से बहुत कम हो जाता है। आमतौर पर 70एमजी/डीएल से कम ब्लड शुगर को हाइपोग्लाइसीमिया माना जाता है।

वांगचुक को कम्पनसेटेड एसिडोसिस, हाइपोकेलेमिया का खतरा क्यों

1. **कम्पनसेटेड एसिडोसिस क्या है:** यह ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर का pH बिगड़ने लगता है, लेकिन फेफड़े और किडनी उसे सामान्य रखने की कोशिश करते हैं। लंबे उपवास, डिहाइड्रेशन या अन्य कारणों से ऐसा हो सकता है।
2. **पोटैशियम कम होने हाइपोकेलेमिया का खतरा:** सामान्य तौर पर खून में पोटैशियम 3.5-5.0 mEq/L के बीच होता है। इसके कम होने पर मांसपेशियों में कमजोरी, ऐंठन और गंभीर मामलों में हृदय की धड़कन प्रभावित हो सकती है।
3. **कीटोन लेवल बढ़ना कितना घातक:** स्वस्थ्य व्यक्ति में भी ब्लड कीटोन लेवल 3 से अधिक है, तो इसे सामान्य नहीं माना जाता। यह हमेशा जानलेवा नहीं होता, लेकिन यह बताता है कि शरीर सामान्य तरीके से ऊर्जा नहीं बना पा रहा और वसा को बहुत तेजी से तोड़ रहा है।

वांगचुक की पत्नी का दावा- सफदरजंग हॉस्पिटल की रिपोर्ट गलत

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंग्मो ने पर एक पोस्ट किया है। इसमें लिखा है- सफदरजंग अस्पताल की रिपोर्ट के मुताबिक सोनम वांगचुक का पोटैशियम लेवल 2.9 है, जबकि कल ही यह 4.3 था। वे न तो मुझे उन्हें किसी दूसरी लैब में ले जाकर दूसरी राय लेने दे रहे हैं और न ही वे मेरी मौजूदगी में उनका ब्लड सैंपल दे रहे हैं ताकि मैं कहीं और टेस्ट करवा सकूं। मैं 3 घंटे से इंतजार कर रही हूं, लेकिन उन्होंने अभी तक हमारी बात नहीं मानी है। पारदर्शिता की इस कमी से हमें शक हो रहा है और हमने तुरंत डिस्चार्ज करने की मांग की है ताकि हम अपनी पसंद के अस्पताल जा सकें। हम पिछले 2 घंटे से उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

उद्धव बोले- मोदी सरकार को नागरिकों के जान की परवाह नहीं है

शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार की आलोचना की है, क्योंकि उसने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन स्थल से हटा दिया, जहां वे पिछले 21 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। ठाकरे ने केंद्र सरकार से विरोध कर रहे युवाओं से बातचीत करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार नागरिकों की जान की परवाह नहीं करती है। ठाकरे ने कहा, यह शर्मनाक है कि वांगचुक को जंतर-मंतर से कैसे हटाया गया। वांगचुक अपनी जान देने की कगार पर हैं और कई युवा भूख हड़ताल पर हैं, लेकिन बीजेपी सरकार को नागरिकों या युवाओं की जान की कोई परवाह नहीं है। जो सरकार NEET जैसी परीक्षाएं ठीक से नहीं करा सकती, उसे यह बताना चाहिए कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से पहले कितने युवाओं को अपनी जान देनी होगी।

अन्ना हजारे और ओलिंपियन मनु भाकर भी वांगचुक के समर्थन में आगे आए

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे भी सोनम वांगचुक के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार को किसी दुखद नतीजे का इंतजार नहीं करना चाहिए और बातचीत करने में कोई बुराई नहीं है। मनु भाकर ने वांगचुक के अनशन और उससे जुड़ी घटनाओं को लेकर एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- इस समय, यह हमारे राष्ट्र के भविष्य के जीवन का सवाल है। यह हम सबके बारे में है। मैं एक छात्र हूं, और एक समय हम सभी छात्र थे। हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में एक समान अवसर पाने का अधिकार है। ये विशेषाधिकार नहीं हैं, ये मौलिक अधिकार हैं। जिन छात्रों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई, वे हमारे देश का भविष्य बनने वाले थे। उनके सपनों, उनकी क्षमता और उनके भविष्य की रक्षा की जानी चाहिए थी

सोनम वांगचुक ने दवा-IV फ्लूइड लेने से इनकार किया

सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि 20 दिन की भूख हड़ताल के बाद लाए गए एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने डिहाइड्रेशन और मेटाबॉलिक गड़बड़ी के लक्षण होने के बावजूद फ्लूइड, ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन और दूसरी दवाएं लेने से इनकार कर दिया है। वांगचु की लगातार निगरानी की जा रही है और उन्हें इलाज कराने की सलाह दी जा रही है।

राहुल बोले- मोदी सरकार का सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं, वांगचुक को हटाना गलत

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा है-मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। सोनम वांगचुक जी को शांतिपूर्ण भूख हड़ताल के दौरान जंतर-मंतर से हटाया जाना गलत है। पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्याएं भारत के भविष्य से जुड़े बेहद गंभीर मुद्दे हैं। भारत के छात्रों और उन पर भरोसा करने तथा उनसे प्रेम करने वाले हम लोगों को इन मुद्दों को उठाने से कोई भी ताकत नहीं रोक सकती।

सफदरजंग मेडिकल कॉलेज ने सोनम वांगचुक का हेल्थ बुलेटिन जारी किया

वीएमएमसी सफदरजंग अस्पताल ने दोपहर 3.30 बजे सोनम वांगचुक का हेल्थ बुलेटिन जारी किया है। इसमें बताया गया है कि सुबह 7-40 बजे दिल्ली पुलिस ने सोनम को भर्ती कराया था। वे 20 दिनों से उपवास कर रहे थे, जिसके कारण उन्हें सामान्य कमजोरी थी। बेहोशी आने की हिस्ट्री नहीं है। भर्ती के समय वे पूरी तरह होश में थे। उनकी नाड़ी, रक्तचाप और ऑक्सीजन सैचुरेशन सामान्य और स्थिर थे। जांच में डिहाइड्रेशन के लक्षण मिले।

मेडिकल जांच में क्या मिला?

ब्लड गैस एनालिसिस में शरीर में अम्ल-क्षार संतुलन बिगड़ना, जिसकी आंशिक भरपाई शरीर कर रहा था पाया गया। सीरम पोटैशियम का स्तर घटकर 2.8 **mg/dL** था। दोबारा जांच में भी पोटैशियम का स्तर लगभग समान रहा। यूरिन कीटोन भर्ती के समय 1+ थे, जो दोपहर 1 बजे तक बढ़कर 3+ हो गए। यह लंबे उपवास के कारण शरीर के ऊर्जा के लिए वसा जलाने का संकेत हो सकता है।

लद्दाख को राज्य बनाने की मांग, वांगचुक 170 दिन जेल में रहे

वांगचुक इससे पहले लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर 170 दिन तक जोधपुर जेल में रहे। उन पर आरोप था कि अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए। सरकार ने हिंसा भड़काने का आरोप वांगचुक पर लगाया। इसके दो दिन बाद, 26 सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेज दिया गया।

आमिर को लॉरेंस गैंग से जान से मारने की धमकी

कहा- तीसरी शादी लव जिहाद, सबक सिखाएंगे; एक्टर ने कहा था- गौरी हिंदू नहीं ईसाई

नई दिल्ली। एक्टर आमिर खान को तीसरी शादी करने पर अब लॉरेंस गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिलने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार गैंग ने आमिर खान की 5 जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव जिहाद बताया है। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को लॉरेंस गैंग की तरफ से एक लेटर और ऑडियो नोट जारी किया गया है। लेटर में लिखा है- हमारे देश में आमिर खान जैसे लोग लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसका जवाब बहुत जल्द इसको दिया जाएगा। ये चीज हमारे सनातन धर्म में और देश के खिलाफ है। ये जो स्टारडम के नाम पर इस चीज को बढ़ावा दे रहे हैं, इनकी हम सांसें दबा लेंगे। खबर लिखे जाने तक मुंबई पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। आमिर की टीम की तरफ से भी कोई बयान नहीं आया है।

लव जिहाद के आरोप पर आमिर ने सफाई दी थी

तीसरी शादी करने के बाद एक्टर आमिर खान को सोशल मीडिया पर लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहा जा रहा है। आमिर ने रेडिफ के साथ बातचीत में इन आरोपों पर आमिर ने कहा- 'मेरी तीनों शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं। तीसरी पत्नी गौरी हिंदू नहीं बल्कि ईसाई हैं।' आमिर ने कहा- 'मेरी बेटी इरा की शादी एक हिंदू से हुई है। मेरी दोनों बहनों निखत खान और फरहत खान के पति भी हिंदू हैं। कजिन मंसूर की शादी एक ईसाई से हुई है।' एक्टर आमिर खान और उनकी पार्टनर गौरी स्प्रैट ने 5 जुलाई को शादी की। दोनों ने मुंबई के पाली हिल (बांद्रा) स्थित आमिर के घर पर शादी के कागजात पर साइन किए। यह एक प्राइवेट मैरिज सेरेमनी थी, जिसमें दोनों परिवारों के लोग और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए।

अहमदाबाद में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 8 की मौत

15 घायल आरएएफ का कैंप पास था, धमाका सुनते ही रेस्क्यू के लिए पहुंचे जवान

अहमदाबाद। अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में शनिवार को पटाखा फैक्ट्री में धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 8 कर्मचारियों की मौत हो गई और करीब 15 घायल हो गए। हादसा रामोल से गतराड जाने वाले रास्ते पर महमूदपुरा टैलेंट के पास हुआ। यहां पास में ही रैपिड एक्शन फोर्स का कैंप है। धमाके की आवाज सुनते ही RAF जवान तुरंत घटनास्थल पहुंचे और लोगों का रेस्क्यू किया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर तक सुनाई दी। धमाके की सूचना मिलते ही दमकल की गाड्डड़यां और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं। हादसे के समय फैक्ट्री में करीब 25 लोग काम कर रहे थे।

फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द हो चुका था

इलाके के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह राठौड़ के अनुसार, रामोल-गटराड रोड पर खुले मैदान में मेहुल डोडिया नाम का व्यक्ति पटाखा फैक्ट्री चला रहा था। फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द हो चुका था, इसके बावजूद वहां पटाखे बनाए जा रहे थे। खुले मैदानों में

पत्तों और तिरपाल की बाड़ लगाकर आतिशबाजी बनाई जा रही है। घायलों को एलजी अस्पताल और असरवा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया और मृतकों के परिजन के लिए 2-2 लाख रुपए की मदद का ऐलान किया है। जॉइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह ने बताया कि फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द किया जा चुका था। इसके बावजूद मेहुल डोडिया फैक्ट्री चला रहा था। नियम के मुताबिक, लाइसेंस रद्द होने पर प्रशासन फैक्ट्री सील करती है और वहां रखा बारूद जब्त करती है। इस मामले में सिर्फ लाइसेंस रद्द हुआ, फैक्ट्री सील नहीं की गई। गृह मंत्रालय के नियमों के मुताबिक, सैन्य या अर्धसैनिक बलों के कैंपों के आसपास बारूद या विस्फोटकों का काम होना पूरी तरह से बैन है।

इसके बावजूद **RAF** शिविर के पास ही अवैध फैक्ट्री चल रही थी। ऐसे में देश की एक महत्वपूर्ण सुरक्षा यूनिट को नुकसान पहुंच सकता था। पटाखों में पोटेशियम नाइट्रेट, सल्फर, चारकोल और एल्युमिनियम पाउडर जैसे ज्वलनशील रसायन होते हैं। ये गर्मी, चिंगारी या स्टैटिक बिजली से तुरंत आग पकड़ते हैं। आग लगने पर चेन रिएक्शन शुरू होता है तो कुछ ही सेकेंड में सैकड़ों पटाखे फटने लगते हैं। बारूद ज्यादा हो, तो विस्फोट घरेलू एलपीजी सिलेंडर के धमाके से भी ज्यादा शक्तिशाली होता है।

छत्तीसगढ़ में बारिश का 93 साल का रिकॉर्ड टूटा

यूपी के सभी 75 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट; अरुणाचल प्रदेश के 35 गांवों में लैंडस्लाइड

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बारिश का 93 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। यहां 1993 में 14.93 इंच बारिश हुई थी। लेकिन शनिवार को 16 इंच बारिश हुई और ये

रिकॉर्ड टूट गया।

यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में अपर सुबनसिरी जिले के गिबा, निलिंग, चेतम और दापोरिजो सर्किलों के 35 गांवों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड हुई। बाढ़ से अब तक 1,13,674 लोग प्रभावित हुए हैं। छत्तीसगढ़ में मानसून फिर एक्टिव हो गया है। बंगाल, झारखंड और ओडिशा में बने लो प्रेशर एरिया से प्रदेश में लगातार नमी पहुंच रही है। इसी वजह से पिछले 24 घंटे में मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिलों में जोरदार बारिश हुई।

समाजसेवी एवं गौसेवक स्व. बंटी मीणा कानोता की द्वितीय पुण्यतिथि पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित

द्वितीय पुण्यतिथि पर हजारों गाडियों का निकलेगा काफिला

हेलिकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा

● अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल सैनी शाहपुरा। समाजसेवी एवं गौसेवक स्वर्गीय बंटी मीणा कानोता की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर 21 जुलाई 2026 (मंगलवार) को आयोजित होने वाली विशाल महारैली को लेकर शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्वर्गीय बंटी मीणा कानोता के पिताजी व भाई जितेन्द्र मीणा ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्व. बंटी मीणा की स्मृति में निकाली जाने वाली इस महारैली में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में समाज के लोग, गौसेवक, युवा एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ जोरों पर चल रही है। प्रेस वार्ता में बताया गया कि महारैली में करीब 3000 वाहनों का विशाल काफिला निकाला जायेगा। इसके अलावा श्रद्धांजलि स्वरूप हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा भी करवाई जाएगी। आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन स्व. बंटी मीणा कानोता की समाजसेवा, गौसेवा और जनकल्याण के कार्यों को श्रद्धापूर्वक याद करने का माध्यम बनेगा। पहली बार तीन घंटे तक महारैली व गौशाला के ऊपर, जयपुर में पुष्प वर्षा की जायेगी। इस ऐतिहासिक नजारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आयेंगे। विशेषकर इस महारैली को लेकर युवाओं में खास उत्साह देखा जा रहा है।उन्होंने बताया कि बंटी मीणा आयोजन समिति ने सभी समाजबंधुओं, युवाओं एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह महारैली स्वर्गीय बंटी मीणा कानोता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और उनके सेवा कार्यों से प्रेरणा लेने का अवसर भी प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री सुरक्षित अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की सघन स्क्रीनिंग अभियान का आयोजन

मां वाउचर योजना के तहत सोनोग्राफी हेतु निःशुल्क सोनोग्राफी वाऊचर का वितरण

एनीमिया उपचार के लिए गर्भवती व धात्री महिलाओं को लगाए फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज इंजेक्शन

जयपुर द्वितीय। प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं मातृ मृत्यु दर को और कम करने के लिए जिले में सभी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य मानकों की सघन स्क्रीनिंग 5 दिवसीय अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर बडी संख्या में गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड के निर्देशानुसार जिले में सभी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य मानकों की सघन स्क्रीनिंग हेतु 05 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका ईलाज करने के साथ पोषण युक्त आहार की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही एनीमिया उपचार के लिए गर्भवती व धात्री महिलाओं को फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज इंजेक्शन लगाए गए। विशेषज्ञ चिकिसकों द्वारा गर्भवती महिलाओं की जाँच के साथ ही मां वाउचर योजना के तहत सोनोग्राफी कराने के लिए माँ वाउचर प्रदान किए गए। जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग की गई। आरसीएचओ द्वितीय डॉ. प्रमिला मीणा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गर्भवती महिला की कम से कम चार गुणवत्तापूर्ण एएनसी जाँचे कराई जा रही हैं। स्क्रीनिंग के दौरान शर्करा के स्तर, वजन, लंबाई, हीमोग्लोबिन, एचआईवी जांच, हृदय स्पंदन आदि की जांच रक्तचाप, मूत्र परीक्षण तथा अन्य आवश्यक परीक्षण किए जा रहे हैं। इसके साथ ही हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की समय पर पहचान कर आवश्यक उपचार प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, गर्भावस्था के दौरान दिखाई देने वाले खतरे के लक्षणों की पहचान, समय पर संस्थागत प्रसव, जन्म तैयारी, नवजात शिशु की देखभाल, जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान प्रारंभ करने, छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने, प्रसवोत्तर देखभाल तथा परिवार नियोजन संबंधी परामर्श भी दिया जा रहा है।

कांग्रेस वांगचुक को लेकर भी अपनी राजनीति चमकाने का कर रही है प्रयासः— मदन राठौड़

सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक के जीवन बचाने की होती है, इस पर राजनीति विकृत मानसिकता का परिचायकः— मदन राठौड़

भाजपा राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए प्रयासरत, भाषाविदों को राजस्थानी भाषा को एक बनाने की दिशा में करना होगा कार्यः— मदन राठौड़

● अतुल्य संसार नेटवर्क

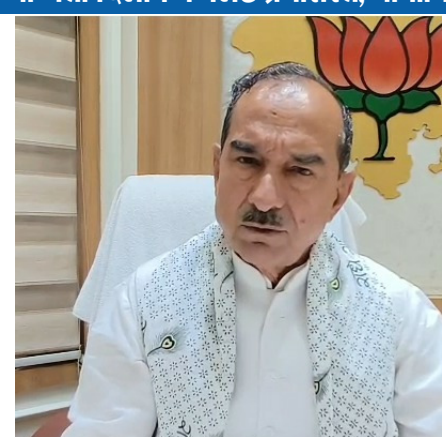

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सोनम वांगचुक पर अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास कर रही है। किसी का स्वास्थ्य बिगड़ने पर इंतजार करना और उस पर राजनीति करना, कांग्रेस का यह रवैया सही नहीं है। सरकार की पहली प्राथमिकता किसी भी नागरिक का जीवन बचाने की होती है, किसी का स्वास्थ्य बिगड़ने पर उसे अस्पताल पहुंचाना पूरी तरह उचित निर्णय है। किसी की जान पर राजनीति करना विकृत मानसिकता का परिचायक है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कुछ लोग चाहते थे कि वांगचुक का स्वास्थ्य और बिगड़ जाए, ताकि बाद में सरकार को घेरकर राजनीतिक लाभ लिया जा सके। उन्हें आमरण अनशन जैसा कदम उठाने से पहले गंभीरता से विचार करना चाहिए। किसी भी मांग पर चर्चा और बहस लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हर हाल में जीवन की रक्षा करना है और इसी उद्देश्य से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए प्रयासरत है। हम मराठी के साथ जर्मन, फ्रैंच, इटेलियन जैसी भाषा भी पढ़ाने के लिए तैयार है, तो राजस्थानी भाषा को पढ़ाने में हमें कोई दिक्कत नहीं है। राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए हमें इसे एक भाषा के तौर पर बनाना होगा। भाषा को मान्यता दिलाने के लिए पहले भाषाविदों को विभिन्न बोलियों को लेकर एक व्यापक सहमति बनानी होगी। राठौड़ ने कहा कि मेवाड़ी, मारवाड़ी सहित अलग-अलग क्षेत्रों में शब्दों और बोलियों में अंतर है, यदि भाषाविद् इन्हें एक स्वरूप देने की दिशा में काम करें तो मान्यता में आसानी होगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाषा को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए गए सवाल पर कहा कि कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन उस दौरान राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब कांग्रेस राजनीति करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस ने केवल दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर चलाने का काम किया है, जबकि भाजपा राजस्थानी भाषा के सम्मान और उसकी मान्यता के लिए प्रयासरत है।

राज्यपाल हरीभाऊ बागड़े व विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पहुंचे शाकंभरी

मां शाकंभरी के दरबार में नवाया शीश, गुप्त नवरात्र के अवसर पर सकराय धाम पहुंचे दोनों दिग्गज

देश-प्रदेश की खुशहाली के लिए की शतचंडी अनुष्ठान में पूजा-अर्चना

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। निकटवर्ती प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थ स्थल सकराय स्थित माता शाकम्भरी के दरबार में चल रहे गुप्त नवरात्र के पावन अवसर पर शनिवार को प्रदेश के राज्यपाल हरीभाऊ किशनराव बागड़े और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने माता के दर्शन कर शीश नवाया। दोनों अतिथियों ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

मंत्रोच्चार के साथ हुआ भव्य स्वागत

शाकम्भरी माता के दरबार में पहुंचने पर राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। अंतरराष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य पंडित केदार शर्मा, डॉ. सुमन शर्मा, बड़ागांव के चंदू शर्मा और भाजयुमो के नितेश सैनी उदयपुरवाटी ने अतिथियों की अगवानी की। इस दौरान विप्रजनों ने वैदिक मंत्रोच्चार और पुष्पवर्षा के साथ राज्यपाल का अभिनंदन किया। मंदिर की दहलीज पर पुजारी पवन शर्मा, राजेंद्र शर्मा और विकास शर्मा ने पूरी विधि-विधान से पूजा संपन्न करवाई। इसके बाद पंडित केदार शर्मा व डॉ. सुमन शर्मा ने राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष को माता की चुनरी का दुपट्टा, साफा और माला पहनाकर माता का आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद भेंट किया।

शतचंडी अनुष्ठान में दी आहुति

राज्यपाल बागड़े और विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने परिसर में स्थित मदनमोहन मंदिर में चल रहे शतचंडी अनुष्ठान में भी भाग लिया। यहाँ आचार्य जगदीश प्रसाद शास्त्री और महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में विप्र मंडली द्वारा करवाए जा रहे मंत्रोच्चार के बीच दोनों दिग्गजों ने पूजा-अर्चना कर आहुतियां दीं।

प्रशासनिक अमला रहा मुस्तैद

महामहिम राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष के इस वीवीआईपी दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। इस दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिला कलेक्टर आशीष मोदी, पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. तेजपाल, तहसीलदार भागीरथ यादव, पीडब्ल्यूडी की सहायक अभियंता शिखा, सीआई मनोज कुमार सहित बद्रीप्रसाद, रमेश और कई अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिला न्यायाधीश श्री हेमराज गौड़ ने की सुनवाई, भारी संख्या में पहुंचे लोगों को मिली बड़ी राहत

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा डीग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डीग के तत्वावधान में आज दिनांक 18 जुलाई 2026 को न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला व सत्र न्यायाधीश श्री हेमराज गौड़ जी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीग श्री राम किशन जी एवं अपर जिला सेशन न्यायाधीश जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस विशेष लोक अदालत में न्याय पाने और अपने मुकदमों को आपसी सहमति से सुलझाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में आमजन ने भाग लिया। लोक अदालत के दौरान पक्षकारों की समस्याओं और वादों को बेहद संवेदनशीलता के साथ सुना गया। माननीय अध्यक्ष व जिला न्यायाधीश श्री हेमराज गौड़ ने स्वयं कई मामलों की गहनता से सुनवाई की और पक्षकारों को आपसी समझाइश के जरिए विवाद खत्म करने के लिए प्रेरित किया। उनके इन प्रयासों से मौके पर ही बहुत सारे केसों का निस्तारण किया गया, जिससे वर्षों से कानूनी चक्कर काट रहे लोगों को बड़ी राहत मिली ।विशेष लोक अदालत के सुचारू संचालन के लिए डीग न्याय क्षेत्र में तालुका स्तर सहित कुल 5 विशेष बेंचों का गठन किया गया था जिसमें से 912 में से 213 न्यायालयों के लंबित केस एवं प्री लिटिगेशन के 226 में से 112 केस सफल किये गये, इन बेंचों में मुख्य रूप से बैंकों के बकाया ऋण, धारा 138 एनआई एक्ट (चेक बाउंस) और प्री-लिटिगेशन (अदालत में आने से पहले के विवाद) से जुड़े मामलों को सुना गया और दोनों पक्षों की रजामंदी से उनका सफल सेटलमेंट किया गया । इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीग के सचिव श्री रामकिशन शर्मा, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्रीमती सरोज मीणा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती रेनू सकीत, सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री भाविका कुलहरी, जेजेबी मजिस्ट्रेट सुश्री कुसुम मीणा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री नमो नारायण मीणा, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुबोध पाराशर, तहसीलदार जुगीता मीणा, एलएडीसी चीफ श्री विनोद कुमार शर्मा एवं डिप्टी चीफ श्री राजेंद्र कुमार शर्मा,सर्किल इंस्पेक्टर सीताराम बैरवा, अपर लोक अभियोजक राकेश खण्डेलवाल, पैनल एडवोकेट प्रवीन चौधर, विक्रम सिंह व आनंद पटेल सहित न्यायालय परिसर के अन्य सम्मानित अधिवक्ता गण और न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी के सामूहिक सहयोग से इस विशेष लोक अदालत में भारी संख्या में मुकदमों का निपटारा कर आमजन को सुलभ और त्वरित न्याय प्रदान किया गया।

मिश्री देवी सत्यनारायण खेराड़ी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री गौशाला में ट्रैक्टर भेंट

श्री कृष्ण गौशाला ट्रस्ट ने भामाशाह का जताया आभार

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। कस्बे में स्थित श्री कृष्ण गौशाला परिसर में मिश्री देवी सत्यनारायण खेराडी चैरिटेबल ट्रस्ट के महेश कुमार खेराडी की तरफ से ट्रैक्टर भेट किया गया है। मिश्री देवी सत्यनारायण खेदड़ी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्री कृष्ण गौशाला अध्यक्ष कुबेर सिंह शेखावत एवं साथी यू आर साहू पूर्व डीजीपी राजस्थान और पूर्व अध्यक्ष आरपीएससी व महेंद्र सिंह पूर्व ओएसडी पूर्व सीएम वसुंधरा राजे राजस्थान, डॉ सुमित सिंह राणावत च गौशाला के सचिव मनोज जोशी एवं कोषाध्यक्ष कैलाश डडीदार आदि को गौशाला में ट्रैक्टर भेंट किया गया द्य उदयपुरवाटी श्री कृष्ण गौशाला के अध्यक्ष कुबेर सिंह शेखावत व श्री कृष्ण गौशाला ट्रस्ट ने गौशाला में ट्रैक्टर भेंट करने पर भामाशाह काआभार व्यक्त किया है द्य इस दौरान श्री कृष्ण गौशाला अध्यक्ष कुबेर सिंह शेखावत, मनोज जोशी, कैलाश डडीदार, लोकेंद्र सिंह शेखावत ,विजेंद्र सिंह आजाद आदि लोग मौजूद रहे।

धार भोजशाला मंदिर विवाद, सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी मुस्लिम मानने को तैयार नहीं, - पंडित संजय हरियाणा

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा मथुरा। अखिल भारत हिन्दू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित संजय हरियाणा ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट द्वारा धार भोजशाला मंदिर मस्जिद विवाद पर एक आदेश पारित किया गया जिसमें मुसलमानों को नवाज अदा करने के लिए मालीवाडा में स्थान दिया गया वहां मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज पढ़ने से किया इनकार, इसको कोर्ट की अवहेलना के तौर पर माना जाना चाहिए। पंडित संजय हरियाणा ने कहा इसी वर्ष 700 सालों के पश्चात भोज शाला मंदिर विवाद में 15 मई 2026 मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का आदेश आया। जिसमें भोजशाला मंदिर मस्जिद विवाद को तय करते हुए, अंतिम तौर पर मंदिर माना गया और वहां हिंदुओं को पूजा करने की अनुमति प्रदान की गई। इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट गया और आज सुप्रीम कोर्ट में यह आदेश दिया गया। इस प्रकरण पर प्रकाश डालते हैं,पंडित संजय हरियाणा ने कहा कि इस मंदिर का इतिहास 1000-1055 ई0 पूर्व राजा भोज जो परमार राजवंश के सबसे बड़े शासक थे। उन्होंने धार में एक महाविद्यालय की स्थापना की थी जिसे बाद में भोजशाला के रूप में जाने जाना लगा । मध्य प्रदेश की धार भोजशाला को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने भी 15 मई को अपना फैसला सुनाया मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की डबल बेंच ने हिंदू समुदाय के पक्ष में फैसला सुनाते हुए भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना है और

मुस्लिम पक्ष को वहां नवाज अदा करने से रोक दिया गया है। यह विवाद करीब 721 वर्ष के पश्चात मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश आने के पश्चात विवाद समाप्त हुआ इस मुकदमे और विवाद को राम जन्म भूमि विवाद से भी अधिक लंबे समय के रूप में जाना जाता है। क्योंकि श्री राम जन्म भूमि विवाद करीब 505 वर्ष चला और यह विवाद गरीब 721 साल चला इसके उपरांत सनातन संस्कृति के इस मंदिर को हिंदू समुदाय को पूजा करने की अनुमति प्रदान की गई जिससे हिंदू पक्ष में खुशी की लहर दौड़ गई । लेकिन उसके पश्चात जिस प्रकार से सुप्रीम कोर्ट के आदेश को मुस्लिम पक्ष नहीं मान रहा है। इससे संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना हीं माना जाएगा। अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से इस मुकदमे को भी लड़ा गया और मुकदमा के दौरान ही, जब यहाँ मुस्लिम नवाज अदा करते थे,मूर्ति की स्थापना भी अखिल भारत हिन्दू महासभा की ओर से आजादी के उपरांत की गई थी। पंडित संजय हरियाणा ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को मुस्लिम समाज से समाजिक सौहार्द स्थापित करने के लिए मानने के लिए कहा है।जिस तरह अयोध्या मूकदमा सुप्रीम कोर्ट में हल होने पर दोनों पक्षों ने सम्मान के साथ स्वीकार किया ।जिससे गंगा यमुनी तहजीब कायम हो साथ साथ संविधान और सुप्रीम कोर्ट का सम्मान भी बना रहे।

झुंझुनु में परमवीर चक्र विजेता हवलदार मेजर पीरू सिंह के 78वें शहादत दिवस पर शौर्य समारोह आयोजित, 51 वीरांगनाओं व वीर चक्र विजेता कैप्टन अयूब खान के परिजनों का हुआ सम्मान

झुंझुनू। परमवीर चक्र विजेता हवलदार मेजर पीरू सिंह के 78वें शहादत दिवस पर झुंझुनूं में आयोजित शौर्य समारोह में देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित समारोह में प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारियों ने मेजर पीरू सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि मेजर पीरू सिंह का अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।समारोह में देश की वीरांगनाओं के सम्मान की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 51 वीरांगनाओं का सम्मान किया गया। वहीं वीर चक्र विजेता कैप्टन अयूब खान के परिजनों को भी मंच पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिससे झुंझुनूं की गौरवशाली सैन्य परंपरा एक बार फिर जीवंत हो उठी।इस अवसर पर मेजर पीरू सिंह के पोते एवं सीएमएचओ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि परिवार को मिलने वाला यह सम्मान गर्व का विषय है, लेकिन राजस्थान के पहले परमवीर चक्र विजेता का गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि गांव में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है और विद्यालय में शहीद के नाम की पट्टिका तक सुरक्षित नहीं है।

पायलट बोले-सोनम वांगचुक से बात न कर जबरन उठाया

कहा- सरकार शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने की जगह दमन का रास्ता अपना रही है

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने सोनम वांगचुक को अनशन स्थल से हटाकर हॉस्पिटल में भर्ती कराने की कार्रवाई को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा- सरकार संवाद के बजाय दमन का रास्ता अपना रही है। सरकार ने वांगचुक से गांधीवादी तरीके से बातचीत करने के बजाय जबरन उठाकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। पायलट ने कहा- वांगचुक की मांगों पर विचार किया जा सकता था, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया। पायलट ने आरोप लगाया कि संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले इस मुद्दे को दबाने के लिए यह कार्रवाई की गई। यह लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा हनन है और देश का हर युवा इस घटनाक्रम से दुखी है। पायलट ने कहा- कांग्रेस लगातार छात्रों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुन रही है। राहुल गांधी भी युवाओं से संवाद कर रहे हैं और देश का नौजवान सरकार से जवाब मांग रहा है। इसके बावजूद सरकार संवाद करने के बजाय विरोध की आवाज को दबाने में लगी हुई है। सचिन पायलट जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में एनएसयूआई की ओर से आयोजित छात्र संविधान संवाद कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी मौजूद रहें। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर शिक्षा, पेपर लीक और लोकतंत्र से जुड़े मुद्दों पर सवाल पूछे।

> भूख हड़ताल शांतिपूर्ण तरीके से चल रही थी लेकिन सरकार ने उसे जबरन खत्म करने की कोशिश की। इससे साफ है कि सरकार बौखलाई हुई है और उसे जनता की भावनाओं का डर सताने लगा है।
>
> **सचिन पायलट**
> राष्ट्रीय महासचिव, कांग्रेस

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं लेना चाहती सरकार

पायलट ने कहा- पूरे देश में भर्ती परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था को लेकर आक्रोश है। छात्र जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठा रहे हैं, लेकिन सरकार इस्तीफा लेने के बजाय विरोध कर रहे लोगों को जबरन हटाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार का कोई प्रतिनिधि सोनम वांगचुक से मिलकर बातचीत करता और उनकी मांगों पर चर्चा करता तो समाधान निकल सकता था लेकिन बातचीत करने के बजाय उन्हें जबरन उठाकर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। पायलट ने कहा कि सरकार को पहले उन मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए थी, जिनको लेकर वांगचुक अनशन पर बैठे थे। अगर मांगें मान ली जातीं तो वे खुद अनशन समाप्त कर देते।

शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करना जरूरी

सचिन पायलट ने कहा कि देशभर में शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। इसे बहाल करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि छात्र जवाबदेही चाहते हैं और सरकार को इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस का रुख पूरी तरह साफ है कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए और सरकार को इसमें कोई संकोच नहीं करना चाहिए।

पंचायत-निकाय चुनाव टालने पर भी साधा निशाना

पायलट ने राजस्थान में पंचायत और नगर निकाय चुनावों को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार चुनाव इसलिए नहीं करा रही क्योंकि उसे जनादेश अपने खिलाफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट भी इस मामले में पहले टिप्पणी कर चुका है, लेकिन सरकार हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर चुनाव टाल रही है।

UPSC जैसा मॉडल अपनाने की सलाह

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने पेपर लीक की घटनाओं पर सवाल पूछे। इस पर सचिन पायलट ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा देश की सबसे पारदर्शी परीक्षाओं में शामिल है और आज तक उसके पेपर लीक होने की खबर नहीं आई। उन्होंने कहा कि जिस तरह यूपीएससी की कार्यप्रणाली और स्वायत्त व्यवस्था है। उसी तर्ज पर अन्य भर्ती परीक्षाओं के लिए भी स्वतंत्र और मजबूत व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। अगर सरकार इच्छा शक्ति दिखाए तो किसी की हिम्मत नहीं होगी कि पेपर लीक कर सके। उन्होंने भाजपा सरकार के कार्यकाल में छात्र नेताओं पर दर्ज मुकदमों का भी मुद्दा उठाया। पायलट ने कहा कि जो मुकदमे प्रतिशोध या दुर्भावना से दर्ज किए गए हैं, कांग्रेस की सरकार बनने पर उन्हें हटाया जाएगा।

टीकाराम जूली ने संविधान और लोकतंत्र पर जताई चिंता

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की मजबूती का आधार संविधान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान की संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने राजनीतिक दलों को तोड़ने, सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग, चुनाव आयोग और सूचना के अधिकार जैसे कानूनों को कमजोर करने के आरोप लगाए। जूली ने कहा कि राजस्थान में पंचायत और नगर निकाय चुनाव टालना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है। उन्होंने पुलवामा आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि आज तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक वहां कैसे पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने शहीदों के नाम पर राजनीति की है।

9 अगस्त को दिल्ली चलो अभियान

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि संगठन देशभर में छात्रों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुन रहा है और छात्र सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री अभी भी पद पर बने हुए हैं, जबकि छात्र लगातार इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई छात्र या संगठन शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करता है तो उसे जबरन हटाया जा रहा है, जैसा दिल्ली में देखने को मिला। जाखड़ ने कहा कि एनएसयूआई पहले देशभर में जिला कलेक्टरों के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेगी। इसके बाद 9 अगस्त को दिल्ली चलो अभियान चलाया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र शामिल होंगे।

जयपुर में पर्यटकों के सामने लेपर्ड ने किया शिकार

10 महीने की मादा शावक ने खरगोश को दबोचा; जबड़े में दबाकर इधर-उधर घूमती रही

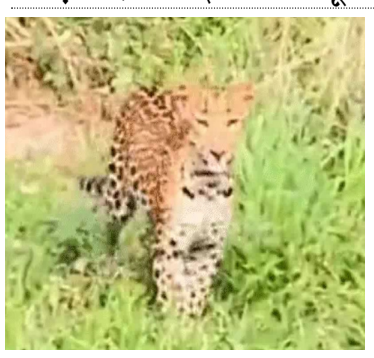

जयपुर। जयपुर के झालाना लेपर्ड रिजर्व में सफारी के दौरान पर्यटकों को रोमांचक नजारा देखने को मिला। लेपर्ड फ्लोरा की मादा शावक के सामने एक जंगली खरगोश घास में छिपकर बैठा था। मादा शावक भी घात लगाकर बैठी थी, मौका देखते ही शावक ने झपट्टा मारकर खरगोश को जबड़े में दबोच लिया। इस पल को पर्यटकों ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। यह रोमांचक घटनाक्रम रिजर्व के रूट नंबर-1 और रूट नंबर-2 के बीच शनिवार सुबह देखने को मिला। दरअसल, इन दिनों लेपर्ड फ्लोरा अपने दोनों शावकों को जंगल में शिकार करने की बारीकियां सिखा रही है।

मौका देखते ही छलांग लगाकर मुंह में दबोचा

गाइड सीपी सैनी ने बताया कि फ्लोरा की मादा शावक ने जंगली खरगोश का शिकार किया है। शावक घास खा रहे खरगोश पर कुछ देर तक नजर रखे हुए थी। जैसे ही खरगोश हल्का-सा बाहर निकला, तुरंत शावक ने छलांग लगा दी और खरगोश को दबोच लिया। शिकार को मुंह में दबाकर कुछ देर तक इधर-उधर घूमती रही। इसके बाद जंगल में चली गई। इस दौरान वहां मौजूद पर्यटकों ने इस पूरे दृश्य कैमरे में कैद कर लिया किया। सीपी सैनी ने बताया कि फ्लोरा इन दिनों अपने दोनों शावकों को शिकार करने की बारीकियां सिखा रही है। मां की निगरानी में शावक शिकार का अभ्यास कर रहे हैं।

राजस्थान में तेज बरसात का अलर्ट, फिर एक्टिव होगा मानसून

अबतक 21 फीसदी कम पानी बरसा, पारा 41 के ऊपर

बीकानेर। राजस्थान में मानसून अब भी ब्रेक पर है। शनिवार को 10 जिलों में बारिश की संभावना है, लेकिन तेज बरसात का अलर्ट नहीं है। राज्य में अब तक सामान्य से 21 फीसदी कम बरसात हुई है। मौसम विभाग के अनुसार 21 जुलाई से मानसून एक्टिविटी फिर से शुरू हो सकती है। इस दिन 20 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश डूंगरपुर, कोटा और अलवर में हुई है। हालांकि, गर्मी-उमस का दौर जारी है। श्रीगंगानगर सहित 4 जिलों में अब भी दिन का तापमान 40 डिग्री के ऊपर है।

गर्मी-बारिश के बड़े अपडेट्स

आज कहां हो सकती है बारिश- मौसम विभाग के अनुसार 18 जुलाई को बाड़मेर बालोतरा, जालोर, सिरोही, उदयपुर, सलूंबर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, बारां और झालावाड़ में बारिश की संभावना है। शुक्रवार को डूंगरपुर में 12.5 एमएम और कोटा में 16.6 एमएम बारिश हुई। अलवर में भी देर शाम तेज बारिश हुई।

आगे कैसा रहेगा मानसून: मौसम केंद्र के अनुसार, कमजोर मानसून के चलते अगले तीन से चार दिन तक कोटा, भरतपुर और जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों

में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, 21 जुलाई से मानसून फिर से एक्टिव हो सकता है। राज्य में 22-23 जुलाई से पश्चिमी और मध्य भागों में भी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। 23 से 26 जुलाई के बीच बीकानेर और जोधपुर संभाग के कई इलाकों में तेज बारिश हो सकती है।

श्रीगंगानगर फिर सबसे गर्म: श्रीगंगानगर में पारा शुक्रवार को ये 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया। वहीं, चूरू में तापमान 41.1, बीकानेर में 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजस्थान के बड़े शहरों में कैसा रहा मौसम

जयपुर: राजधानी में बीते करीब 12 दिन से बारिश नहीं हुई है। मानसून ब्रेक से गर्मी-उमस भी बढ़ रही है। शुक्रवार को भी दिन का तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं न्यूनतम पारा 29.8 डिग्री सेल्सियस रहा। ये सामान्य से करीब तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है।

सीकर: जिले में शुक्रवार को सुबह से बादल छाए रहे और फिर दोपहर में तीखी धूप रही। दिन में गर्मी-उमस रही। पिछले साल के मुकाबले इस बार सीकर जिले में 17 जुलाई तक औसत से 40% से भी कम बारिश हुई है। शुक्रवार को दिन का तापमान 39.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28.9 डिग्री रहा।

अलवर: जिले में शुक्रवार को सुबह से मौसम का मिजाज बदलता रहा। सुबह आसमान में बादल छाए रहे, लेकिन दोपहर में तेज धूप निकलने से गर्मी रही। अधिकतम तापमान करीब 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात करीब 8 बजे हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक जिले में बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है।

जोधपुर: जिले में शुक्रवार को गर्मी का असर बना रहा। शहर का अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.5 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक है।

उदयपुर: लेकसिटी में अधिकतम तापमान 34.9 और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री से. दर्ज किया गया। दिनभर तेज धूप और शाम के समय हल्के बादल रहे। जिले में बीते एक हफ्ते से बारिश नहीं हुई है। इस कारण तापमान भी बढ़ रहा है। पिछले सात दिनों में अधिकतम तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है।

शिक्षा मंत्री बोले- डोटासरा झूठे और महाभ्रष्ट:मदन दिलावर ने कहा- मेरे विभाग पर भ्रष्टाचार साबित हो जाए तो राजनीति छोड दूंगा

कोटा। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पूर्व शिक्षा मंत्री और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर कोटा में जमकर निशाना साधा। मंत्री दिलावर ने कहा-डोटासरा झूठा और महाभ्रष्ट आदमी है। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों के नाम पर प्रदेश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ और भ्रष्टाचार किया है। शिक्षा मंत्री शनिवार को कोटा जिले के अलग-अलग स्कूलों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए।

अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलने का झूठा प्रचार किया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखावा में आयोजित नव-निर्मित क्लासरूम के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान भर में अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलने का झूठा प्रचार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि डोटासरा ने कोई नए अंग्रेजी स्कूल नहीं खोले, बल्कि चल रहे हिंदी माध्यम के स्कूलों पर जबरन अंग्रेजी के बोर्ड लगवा दिए।

मंत्री बोले-कांग्रेस कहे तो हम बिना ओबीसी-आरक्षण चुनाव को तैयार

गहलोत राज में लिए जाते थे तबादलों के पैसे, बॉर्डर पर ऑपरेशन क्लीन जरूरी

बाड़मेर। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल का कहना है- कांग्रेस सार्वजनिक रूप से यह कह दे कि सुप्रीम कोर्ट के अनुसार सरकार आरक्षण दिए बिना ही चुनाव कराए, तो हम उस पर तुरंत विचार कर सकते हैं। लेकिन ऐसा कांग्रेस कभी नहीं कहेगी कि बिना ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिए चुनाव करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि ओबीसी आयोग का गठन करना सरकार का काम था, और उसकी रिपोर्ट देना ओबीसी आयोग का काम है। सरकार के स्तर पर चुनाव से संबंधित जो कार्रवाई होनी चाहिए, वह पूरी हो चुकी है। जब भी चुनाव आयोग कहेगा, सरकार तैयार है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र निकाय है। मंत्री ने हाईकोर्ट की ओर से की गई टिप्पणी के सवाल को टालते हुए कहा कि यह मामला कोर्ट में लंबित है, इसलिए इस पर मेरी टिप्पणी करना ठीक नहीं है। इसकी एक मर्यादा है। दरअसल, कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल शनिवार को बाड़मेर दौरे पर रहे। उन्होंने चौहटन स्थित विराट्रा माता मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद बाड़मेर सर्किट हाउस पहुंचे, जहां अफसरों की मीटिंग के बाद मीडिया से भी बातचीत की।

जब तक जांच नहीं, तब तक राजनीतिक आरक्षण नहीं दे सकते

मंत्री ने कहा कि साल 2021 में महाराष्ट्र के एक केस में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय लिया था कि अगर राजनीतिक क्षेत्र में ओबीसी वर्ग को आरक्षण देना है, तो राज्य सरकारें त्रि-स्तरीय जांच करवाने के बाद ही ऐसा कर सकती हैं। कोर्ट ने दोहराया था कि जब तक त्रि-स्तरीय जांच नहीं करवाते, तब तक आप राजनीतिक आरक्षण नहीं दे सकते। उस समय की तत्कालीन सरकार ने 2021, 2022 और 2023 में ओबीसी आयोग का गठन नहीं किया। ऐसे में अब फैसला कांग्रेस को करना है कि वे क्या चाहते हैं।

तबादलों में रुपयों का लेन-देन कांग्रेस सरकार में हुआ

मंत्री ने कहा कि तबादलों में रुपए लेने के कांग्रेस के आरोप का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में जयपुर में एक कार्यक्रम में बड़े-बड़े शिक्षाविद मौजूद थे। तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत और शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा भी वहां थे। तब अशोक गहलोत ने शिक्षाविदों से पूछा था कि क्या ट्रांसफर में पैसे लिए जाते हैंड तब सबने एक राय होकर वहां पर कहा था कि हां, पैसे लिए जाते हैं। यह तो प्रमाणित तथ्य हो गया। अभी कांग्रेस जो आरोप लगा रही है, वह पूर्ण रूप से निराधार है।

प्रसूताओं की मौत मामले में अब लीकेज नहीं होगा

प्रसूताओं की मौत के सवाल पर मंत्री ने कहा कि मौतें कितनी हुईं और कैसे हुईं, इसमें तथ्यात्मक भिन्नता रहती है। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए, हम यह बात स्वीकार करते हैं। हॉस्पिटल में कोई भी आएगा तो वह इलाज के लिए आएगा। इसके अलग-अलग तरह के स्पष्टीकरण हैं, लेकिन मैं इसको इस रूप में लेता हूं और हम स्वीकार करते हैं कि हमारे हॉस्पिटल में जितने भी रोगी आएं।

धर्मांतरण कराने राजस्थान से बाहर भेजे जा रहे थे बच्चे

गिरोह ने फ्री पढ़ाई का लालच दिया; गोवा में रेलवे पुलिस ने 7 बच्चों को छुड़ाया

उदयपुर। फ्री शिक्षा के बहाने गरीब और आदिवासी बच्चों का धर्मांतरण कराने के लिए राजस्थान से बाहर ले जाने का मामला सामने आया है। गिरोह इन बच्चों को बस से अहमदाबाद और फिर ट्रेन से गोवा लेकर पहुंचा था। गिरोह गोवा से बच्चों को तमिलनाडु ले जाने वाला था, लेकिन उससे पहले ही रेलवे पुलिस ने छुड़ा लिया। गिरोह से छुड़ाए गए बच्चों में 2 लड़कियां और 5 लड़के शामिल हैं, जिनकी उम्र 7 से 12 साल के बीच है। गोवा की बाल कल्याण समिति की सूचना पर उदयपुर से पुलिस और बाल कल्याण समिति की टीम गोवा पहुंची और शनिवार को सभी बच्चों को उदयपुर लेकर आई। धर्मांतरण के मामले को लेकर उदयपुर के सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। सांसद ने मामले की एनआईए, सीबीआई और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) से जांच की मांग की है।

झाड़ोल तहसील के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं बच्चे

गिरोह से छुड़ाए गए सभी बच्चे उदयपुर जिले की झाड़ोल तहसील के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं। बच्चों ने पूछताछ में बताया कि वे झाड़ोल में भी चर्च जाया करते थे।

सुप्रीम कोर्ट बोला- गाली देना हर बार अश्लीलता नहीं होती

अभद्र भाषा और अश्लीलता अलग, मां की गाली भी हर मामले में क्राइम नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई के दौरान की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

जमीन के विवाद में गाली-गलौज और जातिसूचक शब्द बोले थे

अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्दों भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई थी। निचली अदालत ने उसे अश्लीलता, गंभीर चोट और धमकी के लिए दोषी माना था। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी गई है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की कैद कर दिया है। साथ ही, उसे 2 महीने के भीतर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है।

पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट में वकील ने CJI का नाम लेकर अपशब्द कहे थे

10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील ने हंगामा किया। सीजेआई सूर्यकांत को अपशब्द कहे और फाइल भी फेंकी। इस दौरान सीजेआई कोर्ट रूम में मौजूद नहीं थे। यह घटना जस्टिस केवी विश्वनाथन, जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। हंगामे के बाद कोर्ट के आदेश पर सिक्योरिटी ने वकील को तुरंत बाहर निकाल दिया। जब उस याचिकाकर्ता वकील ने अभद्रता शुरू की, तब कोर्ट रूम में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। दिल्ली पुलिस वकील को पूछताछ के लिए ले गई है।

सुप्रीम कोर्ट में अभद्रता के मामले

सुप्रीम कोर्ट में कभी-कभार किसी वकील द्वारा बहस के दौरान ऊंची आवाज, तीखी बहस या अनुचित टिप्पणी के मामले सामने आए हैं, लेकिन **CJI** पर शारीरिक हमला या कोर्ट रूम के अंदर गंभीर अभद्रता जैसी घटनाएं सार्वजनिक रिकॉर्ड में मिलती ही नहीं हैं। **CJI** से अभद्रता की अबतक केवल 2 घटनाओं का जिक्र मिलता है।

1999 - **CJI** एएस आनंद पर एडवोकेट नंदलाल बलवानी ने जूता फेंका: तत्कालीन सीजेआई एएस आनंद की बेंच के सामने एक वकील ने नारेबाजी की और कोर्ट रूम में जूता फेंका। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीर आपराधिक अवमानना माना और उन्हें 4 महीने की जेल और जुर्माने की सजा सुनाई। 1999 में सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट रूम में फोटोग्राफी या वीडियो रिकॉर्डिंग की अनुमति नहीं थी। उस समय कोर्ट की कार्यवाही का लाइव प्रसारण भी नहीं होता था। इसलिए घटना का विवरण केवल न्यायालय के आदेश और खबरों में दर्ज है।

टीएमसी के बागी 20 सांसद लोकसभा में अलग बैठेंगे

उद्धव के 6 सांसदों के शिंदे गुट में जाने को स्पीकर की मंजूरी, मानसून सत्र में बदलेगी तस्वीर

नई दिल्ली। ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले टीएमसी के 20 बागी सांसदों को लोकसभा में अलग बैठने की मंजूरी मिल गई है। 15 जून को तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया से विलय कर लिया था। उधर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उद्धव गुट के 6 बागी सांसदों को भी मान्यता दे दी है। 22 जून को उद्धव का साथ छोड़कर 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। ये सांसद भी अब शिंदे गुट के साथ संसद में बैठेंगे। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी।

22 जून: उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में 22 जून को फिर बगावत हुई थी। लोकसभा के कुल 9 में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। लोकसभा में अब शिंदे के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। शिंदे के साथ सभी 6 सांसदों ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान किया था। डिप्टी सीएम ने कहा, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है।

8 जून: टीएमसी से अलग हुए 20 सांसदों का एनडीए को समर्थन देने का ऐलान

8 जून को टीएमसी के लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया था। सांसद और टीएमसी की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने कहा था कि सांसदों के साइन वाला पत्र लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भेज दिया था। बागी सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में विलय कर लिया था। **NCPI** बंगाल में रजिस्टर्ड पार्टी है। त्रिपुरा से चुनावी शुरुआत की थी। 2023 में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में चार उम्मीदवार उतारे थे। चारों हार गए थे।

9 साल जेल में बंद हत्या के आरोपी को जमानत

सुप्रीम कोर्ट बोला- घटना के समय किशोर था, आरोप लगा; केस में देरी उसकी गलती नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 9 साल से जेल में बंद हत्या के आरोपी को जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल में असाधारण देरी ने हमारी न्यायिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है। ऐसे मामलों की सुनवाई में तेजी लाना अदालतों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा, याचिकाकर्ता घटना के समय किशोर था। अब तक 9 साल बीते गए। इस स्पीड से ट्रायल पूरा होने में अभी और समय लगेगा। कोर्ट ने कहा- बिना ट्रायल में प्रगति के किसी व्यक्ति को अनिश्चितकाल तक जेल में रखना, त्वरित सुनवाई (स्पीडी ट्रायल) और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। त्वरित सुनवाई का अधिकार संविधान के आर्टिकल 21 से सीधे जुड़ा है और विशेष रूप से लंबे समय से हिरासत में बंद लोगों के मामलों में इसकी रक्षा की जानी चाहिए।

आरोपी बोला- ट्रायल घोंघे की चाल से चल रहा

आरोपी लियाकत अली की शिकायत थी कि ट्रायल घोंघे की चाल से चल रहा है और इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। हालांकि 2024 में उसकी जमानत याचिका पर अंतिम फैसला हो चुका था, लेकिन उसके बाद भी मुकदमे में कोई खास प्रगति नहीं हुई। अब तक अभियोजन पक्ष के 30 में से केवल 12 गवाहों की ही गवाही हो सकी है। सुप्रीम कोर्ट ने लियाकत अली की अपील स्वीकार करते हुए कहा कि वह अनुच्छेद 32 के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर उसे जमानत दे रहा है। हालांकि, जमानत की शर्तें संबंधित ट्रायल कोर्ट तय करेगा।

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाब

काईरूट एयरोस्पेस ने खुद बनाकर अंतरिक्ष में भेजा, 2 दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

हैदराबाद। हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था। स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना 2018 में दो दोस्तों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी। विक्रम-1 को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। स्काईरूट ने 2022 में विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 km की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 km की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

ऑर्बिटल रॉकेट: जब कोई रॉकेट पृथ्वी के चारों ओर लगातार चक्कर लगाने लायक स्पीड हासिल कर लेता है, तो वह ऑर्बिटल रॉकेट कहलाता है। यह स्पीड लगभग 28,000 किमी/घंटा या 7.8 किमी/सेकंड होती है।

सब-ऑर्बिटल रॉकेट: रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा तक जाकर लौट आए, तो उसे सब-ऑर्बिटल रॉकेट कहते हैं। आमतौर पर 100 किमी की ऊंचाई पर अंतरिक्ष की शुरुआत मानी जाती है।

सोने के कलाम, साराभाई और सीवी रमन भी भेजे गए

इस लॉन्चिंग को मिशन आगमन नाम दिया गया। इसके तहत विक्रम-1 रॉकेट अपने साथ टेक्नोलॉजी से लेकर कला से जुड़े पेलोड्स अंतरिक्ष में भेजे गए: कॉमर्शियल और टेक्नोलॉजी के ये पेलोड्स भेजे गए, ग्रह स्पेस का टेक्नोलॉजी पेलोड। कॉस्मोसर्व स्पेस का पेलोड। डीक्यूब्ड का स्पेस रिसर्च से जुड़ा पेलोड। खुद स्काईरूट एयरोस्पेस का अपना इन-हाउस स्कोप पेलोड। 18 कैरेट सोने से बना आर्ट पीस भी स्पेस में भेजा गया कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति कॉस्मिक ब्लूम और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सीवी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा गया एक पोस्टकार्ड भी रॉकेट में भेजा गया, जिस पर वंदे मातरम शब्द अंकित हैं।

हल्के कार्बन-कंपोजिट से बना है पूरा रॉकेट

विक्रम-1 पूरी तरह से हल्के और मजबूत कार्बन-कंपोजिट स्ट्रक्चर से बना पहला ऑर्बिटल रॉकेट है। कार्बन फाइबर स्टील की तुलना में पांच गुना हल्का होता है। इससे रॉकेट का वजन कम हो जाता है, जिससे इसकी ईंधन दक्षता बढ़ जाती है। रॉकेट को ऊर्जा देने के लिए इसमें तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेज और एक लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल दिया गया है।

1. तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेज:

इसे आप रॉकेट के नीचे लगे तीन बेहद ताकतवर बूस्टर्स की तरह समझ सकते हैं, जिनमें ठोस ईंधन जैसे बारूद की तरह का ठोस केमिकल भरा होता है. रॉकेट को जमीन से उठाकर आसमान की तरफ धकेलने के लिए शुरुआत में बहुत भारी ताकत की जरूरत होती है। ये तीनों सॉलिड स्टेज एक-एक करके जलते हैं और रॉकेट को शुरुआती धक्का देकर अंतरिक्ष की सीमा लो अर्थ ऑर्बिट के पास पहुंचा देते हैं।

2. लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल

यह रॉकेट के ऊपरी हिस्से में लगा एक बेहद बारीक और स्मार्ट तरल ईंधन वाला छोटा इंजन होता है। जब रॉकेट अंतरिक्ष में पहुंच जाता है, तो वहां ठोस ईंधन काम नहीं आता क्योंकि उसे अपनी मर्जी से ऑन या ऑफ नहीं किया जा सकता। यहां लिक्विड मॉड्यूल काम आता है। यह अंतरिक्ष में सैटेलाइट को सही दिशा देने, रॉकेट की रफ्तार कम-ज्यादा करने और सैटेलाइट को उसकी तय की गई कक्षा में एडजस्ट यानी स्थापित करने का काम करता है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी- टिन्नू को जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट:टीवी-सोफा, मच्छर भगाने की मशीन लगी, दावा- विधायक से बढ़िया इंतजाम

लखनऊ/अयोध्या। 'जेल में विधायक को क्या ट्रीटमेंट मिलेगा, जो टिन्नू यादव को मिल रहा है। जेल की बैरक में टीवी लगी है, बैठने के लिए सोफा है, साफ बिस्तर। मच्छर मारने की मशीन लगी है।' ये दावा अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी रामशंकर उर्फ टिन्नू यादव के पड़ोसी का है। वो फैजाबाद जेल में टिन्नू यादव से मिलने गए थे। उनका कहना है- वहां मिलने वालों की लाइन लगी है, टिन्नू का पूरा दबदबा दिखता है। टिन्नू 22 दिन से जेल में है। मोहल्ले की महिलाएं कहती हैं- टिन्नू पर सोने-चांदी की चोरी के आरोप लगने के बाद अब उनके घर की महिलाओं ने गहने पहनना छोड़ दिया है। परिवार कई दिनों तक घर

में ही कैद रहा। अब कामकाज पर जाने लगे हैं।

टिन्नू के घर का पता बताने को कोई तैयार नहीं

राम मंदिर से करीब 3 किमी दूर स्वर्ण द्वार मोहल्ले में रामशंकर यादव का घर है। यहीं उनके तीन अन्य भाइयों का भी घर है। टिन्नू यादव के परिवार में उनकी पत्नी पूनम के अलावा एक बेटा रवि है, जो लोक निर्माण विभाग में संविदा कर्मचारी है। 6-7 महीने पहले ही उसकी शादी हुई है। टिन्नू के तीन भाइयों में एक भाई दिनेश की मौत हो चुकी है। उनके दोनों बेटे मनीष और सनी की नौकरियां भी टिन्नू ने राम मंदिर में लगवाई थीं। भतीजा मनीष भी दान चोरी मामले में गिरफ्तार है। टीम टिन्नू के मोहल्ले में पहुंची। लोगों से घर का पता पूछा। लोग पत्रकार समझते ही कहते कि हमें नहीं पता, वो कहां रहता है। लोग बात करने को तैयार नहीं थे। गलियों से होते हुए हम जैसे-तैसे उनके घर पहुंचे। घर अंदर से बंद था।

दावा- होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट

यूएस का लगातार सातवीं रात ईरान पर हमला; ईरान बोला-जमीनी हमले हुए तो कुवैत-बहरीन में घुस जाएंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया। IRGC ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस दावे को झूठा बताया। वहीं, CENTCOM ने कहा कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए। अल जजीरा के मुताबिक, इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को निशाना बनाया गया। उधर, ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

अमेरिकी एयरस्ट्राइक में चाबहार पोर्ट के कंट्रोल टावर को नुकसान: अमेरिका की एयरस्ट्राइक

में ईरान के चाबहार पोर्ट के कंट्रोल टावर को नुकसान पहुंचा है। ईरान के मुताबिक, यह टावर पोर्ट पर व्यावसायिक जहाजों की निगरानी करता था।

चाबहार पोर्ट का भारत से जुड़ा टर्मिनल सुरक्षित: ईरान के चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी हमले में भारत से जुड़े शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

ईरान ने लोगों से बिजली बचाने की अपील की: ईरान ने स्वीकार किया है कि उसके बिजली ढांचे को निशाना बनाया गया है। इसके बाद सरकार ने दक्षिणी प्रांतों के लोगों से बिजली की खपत कम करने की अपील की है।

ब्रिटेन में IRGC का समर्थन करना अब अपराध: ब्रिटेन ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित कर दिया है। इसका समर्थन अपराध माना जाएगा। ईरान ने कुवैत के उदैद एयरबेस पर हमला किया- ईरान ने दावा किया है कि उसने कतर में स्थित अमेरिकी अल उदैद एयरबेस को निशाना बनाकर हमला किया है। इसमें अमेरिकी HIMARS रॉकेट सिस्टम, मिसाइलें और अन्य सैन्य उपकरण नष्ट कर दिए हैं।

कुवैत ने ईरान के हमलों को जघन्य बताया

कुवैत ने अपने तेल ठिकानों, बिजलीघरों और समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले डिसैलिनेशन प्लांट पर हुए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को 'जघन्य' बताते हुए कहा कि ईरान लगातार नागरिक ठिकानों और जरूरी बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। कुवैत ने ईरान को इस हमले के लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराते हुए तुरंत हमले रोकने की मांग की।

ईरान ने अमेरिका के साथ हुए समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया

ईरान ने अमेरिका के साथ एक महीने पहले हुए समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया है। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका ने खुद समझौते का उल्लंघन किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादक: प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालय: जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।